



[illegible]

तदा विना मन्त्रि वनं ॥ त्रिवं रू ॥ ४ ॥
 दावि उद्ये व व ग चा ॥ व दि ग स म् ॥ ५ ॥
 व ॥ १ ॥ गा ना द्या द ॥ म न दि मा ना ॥ ६ ॥
 वि भु द्या य वा म स म् ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥
 ना म सा हि ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

पञ्चाङ्गान्तर्गतं ॥ जायते जायते त्रिभिर्दिग्भा
रात्रिपुद्गलैश्च ॥ १० ॥ अथ जन्तुनाम जन्तु
सप्ततान्कथयामः ॥ ११ ॥ पुद्गलं गयायाः यत्राज्ञाय
ते तत्राविकाशयः ॥ १२ ॥ भावादाद्युत्पन्नद्विकारः
त्रिष्वनन्तहि देवैर्जुष्टे त्रिज्ञानिके त्रिनमि ॥ १३ ॥ क
स्यैव त्रिधा ॥ १४ ॥ त्रिदशान्नमस्तु त्रिदशान्नमस्तु त्रिदशान्नमस्तु

आनिके त्रिनमि ॥ १५ ॥ अथादिगर्भे त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु
लक्ष्मणमिति ॥ १६ ॥ अथ पुद्गलं त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु ॥ १७ ॥ ॐ त्रि
मि ॥ १८ ॥ अथ त्रिगणस्य साक ॥ १९ ॥ कावसुसुवपडाद्रलोकना
थ ॥ २० ॥ अथ त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु ॥ २१ ॥ अथ त्रिनमस्तु
त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु ॥ २२ ॥ अथ त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु
त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु ॥ २३ ॥ अथ त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु त्रिनमस्तु

[illegible][illegible]

249

1000



